SA-06

December - Examination 2025
B.A. (Part-III) Examination
SANSKRIT
वेद, उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन
Paper : SA-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) गिरिष्ठा यह शब्द किस देवता के लिए प्रयुक्त हुआ है?
   (ii) किस देवता के द्वारा पृथ्वी को स्थिर किया गया?
   (iii) राष्ट्राभिवर्धनम् सूक्त अथर्ववेद का कौनसा सूक्त है?
   (iv) कठोपनिषद् के अनुसार यज्ञफल की कामना से किसने अपना समस्त फल दान कर दिया था?
   (v) प्रेय मार्ग किसे कहते हैं?
   (vi) शरीररूपी रथ का सारथि कौन है?
   (vii) योगदर्शन के अनुसार ईश्वर का लक्षण लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. निम्न में से किसी एक मन्त्र की सन्दर्भ–अन्वय–अनुवाद सहित व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।
   (i) अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे।
   यशसं वीरवत्तमम्।।

   अथवा

   (ii) ता वां वास्तून्युश्मशि गमध्यै यत्र गावो भूरिश्रृंगा अयासः।
   अत्राह तदुरूगायस्य वृष्णः परम पदमवभाति भूरि।।

3. संज्ञान सूक्त के सामाजिक सन्देश का वर्णन कीजिए।

4. निम्न में से किसी एक की व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए –

(i) स्वर्गे लोके न भयं किंचनास्ति न तत्र त्वं न जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाशनायापियासे शोकातिगो मोदते स्वर्गलोक।।

अथवा

(ii) सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद् वदन्दि।
यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति, तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्।।

5. पुरुष सूक्त के अनुसार के पुरुष के स्वरूप को समझाइए।

6. कठोपनिषद् के अनुसार आत्मज्ञान के फल को संक्षेप में समझाइए।

7. कठोपनिषद् के अनुसार यम द्वारा दिए गए प्रत्युत्तरों को समझाइए।

8. सत्कार्यवाद एवं असत्कार्यवाद में अन्तर स्पष्ठ कीजिए।

9. चार्वाक दर्शन के अनुसार देहात्मवाद को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. इन्द्र सूक्त के अनुसार इन्द्र देवता के पराक्रम का विशद विवेचन कीजिए।

11. शिवसंकल्पसूक्त के आधार मन के कल्याण की समीक्षा कीजिए।

12. कठोपनिषद् के अनुसार आत्मज्ञान का वर्णन कीजिए।

13. बौद्धदर्शन के अनुसार प्रतीत्यसमुत्पाद का वर्णन कीजिए।